

Daily Current Affairs

Date : 24 November, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	5वाँ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025
2.	मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना
3.	अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रा मैराथन
4.	ई-रवन्ना
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. जयपुर में चंदन की लकड़ी से बनी एक एमएम की चम्मच 2. बीकानेर में टूर डी थार आयोजित 3. स्टेट गेम्स एथलेटिक्स 2025
6.	जैवलिन और एक्सकैलिबर
7.	ग्लोबल मुटिराओ
8.	UNFCCC COP
9.	संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (JCM)
10.	सतत खनन प्रबंधन योजना (MPSM)
11.	मेरठ बिगुल
12.	कृषि उत्पादन अनुमान 2024-2025
13.	UPI-TIPS इंटरलिंगेज
14.	राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर निर्णय
15.	इंडिया जस्टिस रिपोर्ट
16.	द स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन (SoWC) 2025 रिपोर्ट

--:1:--



5वाँ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025

चर्चा में क्यों?

- 24 नवंबर 2025 को 5वें खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की आधिकारिक शुरुआत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान) द्वारा की गई।



मुख्य बिन्दु:

- संस्करण : पाँचवाँ।
- उद्घाटन : सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर।
- शुभंकर : खम्मा घणी ।

Daily Current Affairs

Date : 24 November, 2025

UTKARSH
CLASSES

CIVIL
SERVICES



- **टैगलाइन** : पधारो म्हारे राजस्थान, जीतो सारा हिंदुस्तान।
 - **आयोजन अवधि** : 24 नवंबर से 05 दिसंबर, 2025 तक।
 - **आयोजन स्थल** : जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर।
 - **पार्टनर यूनिवर्सिटी** : राजस्थान यूनिवर्सिटी और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर।
- 5000 + खिलाड़ी | 23 खेल | 7 शहर | 13 स्थल | 12 दिन
- **समापन** : पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर।

--:3:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

Daily Current Affairs

Date : 24 November, 2025



प्रमुख खेल और आयोजन स्थल:

क्रम	स्थान	खेल परिसर	स्पर्धा
1.	जयपुर	SMS स्टेडियम, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जगतपुरा शूटिंग रेंज, राजस्थान यूनिवर्सिटी	एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, निशानेबाजी, मलखंभ, साइक्लिंग
2.	जोधपुर	चैनपुरा इंडोर हॉल	टेबल टेनिस और योगासन
3.	अजमेर	पटेल स्टेडियम	रग्बी
4.	उदयपुर	-	जूडो, बीच वॉलीबॉल, केनो-कयाकिंग
5.	बीकानेर	MGM यूनिवर्सिटी	कबड्डी
6.	कोटा	रघुराय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	तलवारबाजी और वॉलीबॉल
7.	भरतपुर	लोहागढ़ स्टेडियम हॉल	बॉक्सिंग और कुश्ती

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 हेतु समितियाँ:

आयोजन और कॉर्डिनेशन समिति:

- सदस्य संख्या - 19
- अध्यक्ष - राजस्थान के मुख्यमंत्री।
- उपाध्यक्ष - केन्द्रीय खेल मंत्री।
- सदस्य - राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय ओलंपिक संघ (IOA), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) और भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के अधिकारी।

एग्जीक्यूटिव समिति : (निगरानी एवं सुपरविजन हेतु)

- सदस्य संख्या - 29
- अध्यक्ष - राजस्थान के मुख्य सचिव।
- उपाध्यक्ष - भारत सरकार के खेल सचिव।

--:4::--

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना

चर्चा में क्यों?

- मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बालक-बालिकाओं को अब योजना के माध्यम से 50 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान किया गया है। पहले यह राशि 25 लाख रुपये थी।

मुख्य बिन्दु:

यह दिसम्बर 2024 में शुरू की गई थी।

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा लागू किया गया है। योजना का मुख्य उद्देश्य दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निःशुल्क इलाज और आर्थिक सहायता प्रदान करना है।
- लाभार्थी और पात्रता:** योजना का लाभ केवल राजस्थान के मूल निवासियों या कम-से-कम तीन साल से राज्य में रह रहे बच्चों को मिलेगा, जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है और जो स्वास्थ्य मंत्रालय की राष्ट्रीय नीति 2021 के तहत सूचीबद्ध दुर्लभ रोग से पीड़ित हैं।
- आर्थिक सहायता:** 50 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज (कैशलेस) और हर महीने 5,000 रुपये की वित्तीय मदद योजना में शामिल है।
- बीमारी की सूची:** 56 दुर्लभ बीमारियों का उपचार योजना के तहत कवर किया गया है, जिसकी प्रमाणिकता AIIMS जोधपुर या जेके लॉन हॉस्पिटल जयपुर जैसे प्राधिकृत मेडिकल संस्थानों से तय होगी।
- आवेदन प्रक्रिया:** बच्चे के पालक जनाधार नंबर के साथ ई-मित्र या स्वयं की एसएसओ आईडी से बायोमेट्रिक/ओटीपी से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

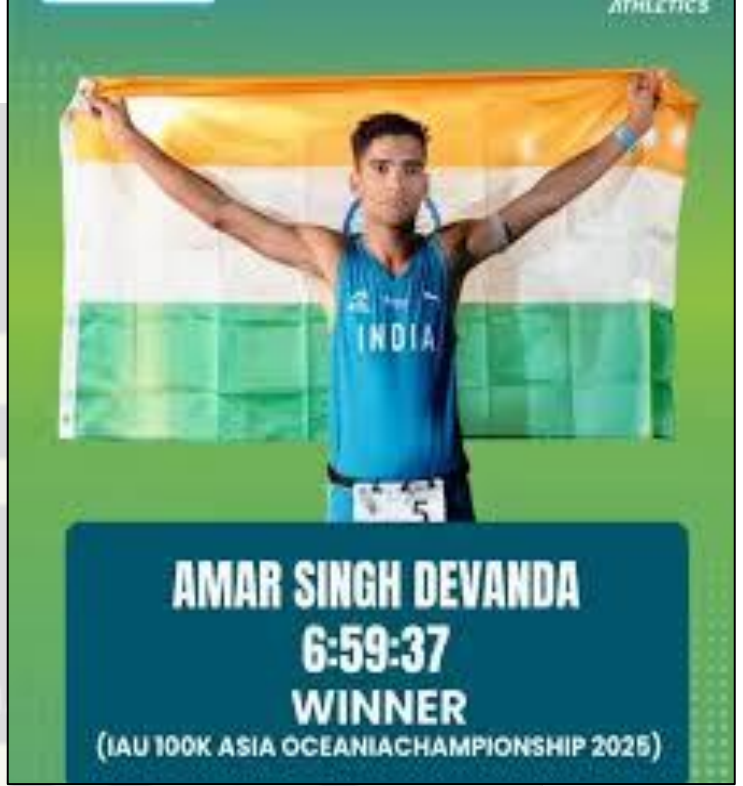
छूट एवं सुविधाएँ

- मुफ्त इलाज के तहत अस्पताल में भर्ती (IPD), डेकेयर पैकेज तथा इलाज, दवाइयाँ, जाँच रिपोर्ट, देखभाल और अन्य आवश्यक सहायता शामिल होती है।

अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रा मैराथन

चर्चा में क्यों?

- अमरसिंह देवंदा जयपुर के चीथवाड़ी (चौमू) के धावक हैं, ने थाइलैंड में आयोजित 100 किमी अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रा मैराथन में 6 घंटे 59 मिनट 37 सेकंड में दौड़ पूरी कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया और मेन रेस जीतकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया।



मुख्य बिन्दु:

- इससे पहले अप्रैल 2024 में कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित एशिया-ओशिनिया अल्ट्रा मैराथन चैम्पियनशिप में उन्होंने 24 घंटे में 272.537 किमी दौड़ कर नया रिकॉर्ड बनाया था और भारत को गोल्ड मेडल दिलाया था।
- अमर सिंह जुलाई 2023 में बेंगलुरु में हुई एशिया-ओशिनिया 100 किमी चैम्पियनशिप और दिसंबर 2023 में ताइपे (चीन) में आयोजित विश्व चैम्पियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अब तक उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 4 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीते हैं। वे भारतीय वायुसेना में कॉर्पोरल सोल्जर पद पर कार्यरत हैं।

ई-रवन्ना



चर्चा में क्यों?

- ई-रवन्ना एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली(एप्प) है, जिसे राजस्थान सरकार ने खनिज परिवहन में पारदर्शिता लाने, रॉयल्टी चोरी को रोकने और ओवरलोडिंग की समस्या से निपटने के लिए शुरू किया है। 31 अक्टूबर 2017 के बाद से, बजरी और जिप्सम के लिए विशेष मामलों को छोड़कर, सभी प्रकार के खनिज परिवहन के लिए मैन्युअल (भौतिक) रवन्ना जारी करना पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मुख्य बिन्दु:

- खनन मामलों जैसे ई-रवन्ना (खनन प्रमाणपत्र), ई-पेमेन्ट, कॉन्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन, माइनिंग प्लान, एलआईएस, विभागीय बकाया, नोड्यूज, डिमांड मॉड्यूल आदि के लिए विभाग के कार्यालयों में जाकर फिजिकल चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। ये सभी सेवाएं एप के माध्यम से उपलब्ध होंगी।
- माइनिंग गतिविधियों से जुड़ी ऑनलाइन मॉड्यूल्स पहले से तैयार हैं और 15 दिसंबर 2025 से इनका परीक्षण और कामकाज शुरू होगा।
- खान विभाग ने कुल 14 मॉड्यूल्स विकसित किए हैं, जिनमें से अधिकांश पहले से उपयोग में हैं, लेकिन अब ऑफलाइन प्रक्रिया को ऑनलाइन में बदला जाएगा।
- इसके अलावा, पंचनामा और निरीक्षण के लिए मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइट भी तैयार की गई है, जिससे खान गतिविधियों का बेहतर और त्वरित निरीक्षण संभव होगा।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>जयपुर में चंदन की लकड़ी से बनी एक एमएम की चम्मच</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"></div> <ul style="list-style-type: none">■ जयपुर निवासी आर्टिस्ट रिकू कुमावत ने चंदन की लकड़ी से सबसे छोटा एक एमएम का चम्मच बनाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है।■ मुख्य उपलब्धियाँ:■ 2 मिमी की भगवान महावीर की प्रतिमा जेम्स स्टोन से बनाई, जो आई लूप लेंस से ही देखी जा सकती है।■ नीलम से 4 मिमी का सबसे छोटा शिवलिंग 24 घंटे में बनाया, वजन 15 सैंट (कैरेट से कम)।■ काले ओनेक्स रत्न से 3 मिमी का सबसे छोटा हाथी बनाया, जो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज।■ 10 मिमी की भगवान रामलला की सबसे छोटी प्रतिमा बनाई, यूएस गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज।■ पेंसिल की नोंक पर भी भगवान रामलला की प्रतिमा उकेरी।

2.

बीकानेर में टूर डी थार आयोजित



- बीकानेर में 23 नवंबर 2025 को पहली बार 200 किमी लंबी 'टूर डी थार' अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का आयोजन किया गया। इसे केंद्रीय कानून मंत्री और बीकानेर सांसद अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत आयोजित किया गया। इस रेस में भारत, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर सहित कई देशों के 786 साइक्लिस्टों ने भाग लिया, जिनमें से 250 से अधिक साइक्लिस्ट बीकानेर के भी थे।
- प्रतियोगिता में दो मुख्य श्रेणियाँ थीं: 200 किमी की प्रोफेशनल एलिट रेस और 100 किमी की सोलो एमेच्योर रेस।
- इस आयोजन में 16 से 69 वर्ष तक की उम्र के पुरुष और महिला दोनों ने भाग लिया और कुल पुरस्कार राशि लगभग 27 लाख रुपए थी।

3.

स्टेट गेम्स एथलेटिक्स 2025

- जयपुर स्थित मिलिट्री स्टेशन पर 25 और 26 नवंबर 2025 को स्पेशल एथलेटिक्स मीट 'स्टेट गेम्स एथलेटिक्स 2025' का आयोजन होगा। युवाओं में आत्मविश्वास और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह आयोजन स्पेशल ओलंपिक्स भारत और सप्त शक्ति आर्मी वुमन वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्लूडब्लूए) के तत्वावधान में आयोजित होगा।
- इसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी ट्रैक रेस, जैवलिन थ्रो और शॉट पुट सहित सात ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। इसमें राजस्थान की टीम का चयन भी होगा। यह टीम दिल्ली में होने वाली आगामी राष्ट्रीय स्पेशल एथलीट्स मीट में भाग लेगी।
- खनन क्षेत्र में आम जनता को सरलता और पारदर्शिता प्रदान करने के लिए राजस्थान का खान विभाग अब कई महत्वपूर्ण सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध करा रहा है।

SERVICES



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



जैवलिन और एक्सकैलिबर



चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को 93 मिलियन डॉलर मूल्य के जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम, एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी म्युनिशन और संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी प्रदान की।



मुख्य बिन्दु:

जैवलिन मिसाइल सिस्टम (FGM-148 Javelin)

- **निर्माता:** लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के एक संयुक्त उपक्रम द्वारा।
- **विशेषता:** यह "दागो और भूल जाओ" सिद्धांत पर आधारित टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइल है। इसे सैनिक अपने कंधे पर रखकर दाग सकते हैं। यह मध्यम दूरी की मिसाइल है।
- **एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी म्युनिशन**
- **निर्माता:** रेथियॉन मिसाइल्स एंड डिफेंस (RTX)।
- **क्षमता:** यह लंबी दूरी पर सटीक हमला करने की क्षमता प्रदान करता है। इससे संपार्श्विक क्षति कम होती है यानी सामान्य नागरिकों या गैर-युद्धक सैनिकों को बहुत कम हानि होती है। साथ ही, रसद संबंधी लागत में भी कमी आती है।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ग्लोबल मुटिराओ

चर्चा में क्यों?

- ब्राजील में आयोजित हो रहे COP30 में, ग्लोबल मुटिराओ पहल को अपनाया गया। यह पहल जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करने के लिए सामूहिक लामबंदी का आह्वान करती है।

मुख्य बिन्दु:

'ग्लोबल मुटिराओ' पहल

- **इतिहास:** यह एक ब्राजीलियाई और देशज परंपरा के शब्द 'मुटिराओ' से प्रेरित है। इसका अर्थ साझा लक्ष्यों के लिए सामुदायिक श्रम है।
- **अवधारणा:** यह जलवायु कार्रवाई को पेरिस समझौते के 1.5°C लक्ष्य के अनुरूप एक सहकारी व समग्र समाज के प्रयास के रूप में प्रस्तुत करती है।

UNFCCC COP



चर्चा में क्यों?

- तुर्की UNFCCC- COP31 की मेजबानी करेगा और ऑस्ट्रेलिया इसकी अध्यक्षता करेगा।



मुख्य बिन्दु:

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभिसमय (UNFCCC) के पक्षकारों के सम्मेलन (COP):

- COP, UNFCCC का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है।
- COP वार्षिक सम्मेलन होते हैं, जहां UNFCCC के सदस्य देश प्रगति का आकलन करते हैं, समझौतों पर वार्ता करते हैं और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्धताओं को परिष्कृत करते हैं।
- **COP 1:** यह जर्मनी के बर्लिन में 1995 में आयोजित किया गया था।



संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (JCM)

चर्चा में क्यों?

- ब्राजील के बेलेम में COP30 के दौरान भारत ने संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र को न्यायसंगत और मापनीय वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए एक प्रमुख उपकरण माना।

मुख्य बिन्दु:

संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र

- **इतिहास:** इसकी शुरुआत जापान ने 2013 में की थी। इसे द्विपक्षीय क्रेडिटिंग भागीदारी के माध्यम से कम कार्बन उत्सर्जक प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था।
- **भागीदारी:** यह भारत-जापान सहयोग सहित 31 भागीदार देशों और 280 से अधिक परियोजनाओं तक फैल चुका है।
- **फ्रेमवर्क:** यह पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत कार्य करता है।

सतत खनन प्रबंधन योजना (MPSM)

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने अरावली के लिए 'सतत खनन प्रबंधन योजना' (MPSM) तैयार करने हेतु केंद्र को निर्देश दिया।

मुख्य बिन्दु:

- उच्चतम न्यायालय टी. एन. गोदावर्मन तिरुमुलपाद मामले (1995) में अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान परिभाषा से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया है।

निर्णय के मुख्य बिंदु

- **एक समान परिभाषा:** उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (CEC) के मापदंड को स्वीकार किया। इस मापदंड में निम्नलिखित परिभाषाएँ तय की गई हैं-
- 'अरावली पहाड़ी' को निर्दिष्ट जिलों में 100 मीटर की ऊंचाई वाली किसी भी भू-आकृति के रूप में परिभाषित किया गया है।
- 'श्रेणी' (Range) को अरावली पहाड़ी के 500 मीटर की पहाड़ियों के रूप में परिभाषित किया गया है।
- **MPSM (सतत खनन प्रबंधन योजना):** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE) के माध्यम से यह योजना तैयार करेगा।
- **अधिस्थगन (Moratorium):** MPSM को अंतिम रूप दिए जाने तक अरावली श्रेणी वाले राज्यों में नए खनन पट्टों या पट्टों के नवीनीकरण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

मेरठ बिगुल

📢 चर्चा में क्यों?

- मेरठ बिगुल को भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) प्राप्त हुआ।



📌 मुख्य बिन्दु:

मेरठ बिगुल

- यह 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में भारत में विकसित होती सैन्य परंपरा से गहराई से जुड़ा हुआ है।
- **सामग्री:** यह उच्च गुणवत्ता वाले पीतल से निर्मित होता है तथा अपने टिकारूपन और सटीक स्वर के लिए जाना जाता है।
- **उपयोग:** रेजिमेंटल बैंड, सैन्य अकादमियों और देश भर के समारोहों में।

आर्थिक परिदृश्य

कृषि उत्पादन अनुमान 2024-2025



चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने 2024-25 कृषि वर्ष के लिए फसल उत्पादन के अंतिम अनुमान जारी किए हैं। इसमें रिकॉर्ड उत्पादन श्रृंखला दर्ज की गई है।



मुख्य बिन्दु:

- **खाद्यान्न:** भारत के सभी प्रमुख अनाजों (चावल, गेहूं, मक्का और मोटा अनाज) की उपज में वृद्धि दर्ज की गई है।
- **तिलहन:** 2023-24 की तुलना में 8% से अधिक की अनुमानित वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि के मुख्य चालक सोयाबीन और मूंगफली हैं।

UPI-TIPS इंटरलिंकेज

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने यूरो क्षेत्र के साथ सीमा-पार भुगतान बढ़ाने के लिए UPI-TIPS इंटरलिंकेज की घोषणा की।



मुख्य बिन्दु:

UPI-TIPS (टारगेट इंस्टैंट पेमेंट सेटलमेंट) इंटरलिंकेज

- TIPS यूरोसिस्टम द्वारा संचालित एक त्वरित भुगतान प्रणाली है।
- **उद्देश्य:** भारत और यूरो क्षेत्र के बीच सीमा-पार विप्रेषण को सुगम बनाना है तथा इससे दोनों क्षेत्राधिकारों के उपयोगकर्ताओं को लाभ होने की उम्मीद है।
- यह सीमा-पार भुगतान बढ़ाने के लिए G20 रोडमैप के अनुरूप है। इसके तहत वहनीय, कुशल, अधिक पारदर्शी और अधिक सुलभ विप्रेषण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

राजव्यवस्था

राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर निर्णय

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने कहा कि न्यायपालिका राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा निर्धारित नहीं कर सकती है।



मुख्य बिन्दु:

- उच्चतम न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों वाली खंडपीठ ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत मांगे गए 16वें राष्ट्रपति संदर्भ में अपनी राय दी। खंडपीठ ने कहा कि न्यायालय संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत विधेयकों पर अनुमति देने में निर्णय लेने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपाल पर कोई समय-सीमा लागू नहीं कर सकता।
- इससे पहले, अप्रैल 2025 में, उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 200 और 201 के तहत विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा तय की थी।
- अनुच्छेद 143 राष्ट्रपति को विधि या तथ्य से जुड़े व्यापक महत्व का प्रश्न उत्पन्न होने पर उच्चतम न्यायालय से राय लेने की शक्ति देता है।

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में किशोर न्याय कानून के प्रवर्तन के बावजूद किशोर न्याय तंत्र में व्याप्त कमियों को उजागर किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- रिपोर्ट का शीर्षक- 'किशोर न्याय और कानून के उल्लंघन के आरोपित बालक।' यह रिपोर्ट किशोर न्याय अधिनियम 2015 के लागू होने के दस वर्षों बाद भारतीय किशोर न्याय तंत्र के कामकाज और क्षमता का मूल्यांकन करती है।
- इंडिया जस्टिस रिपोर्ट एक द्विवार्षिक सूचकांक है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- किशोर न्याय बोर्ड (JJB) का अपर्याप्त गठन
- JJB में बढ़ते लंबित मामले
- जांच कार्यों में विलंब
- अपर्याप्त अवसंरचना और कवरेज



द स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन (SoWC) 2025 रिपोर्ट



चर्चा में क्यों?

- यूनिसेफ ने “द स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन (SoWC) 2025” रिपोर्ट जारी की।



मुख्य बिन्दु:

- “SoWC 2025: बाल निर्धनता की समाप्ति - हमारी साझा आवश्यकता” शीर्षक वाली यह रिपोर्ट बहुआयामी निर्धनता का आकलन करती है।

SoWC 2025 के निष्कर्ष

- **मौद्रिक निर्धनता:** विश्व के 19% से अधिक बच्चे चरम मौद्रिक-गरीबी में जीवन जी रहे हैं। ये 3 अमेरिकी डॉलर दैनिक से भी कम में गुजारा करते हैं।
- भारत में लगभग 20.6 करोड़ बच्चे कम से कम एक वंचना और लगभग 6.2 करोड़ बच्चे दो या उससे अधिक श्रेणियों में वंचनाओं का सामना करते हैं।
- स्वच्छता (सैनिटेशन) सबसे व्यापक गंभीर वंचना है। इससे बच्चों में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।
- **भौगोलिक प्रसार:** सब-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में बच्चों में बहुआयामी निर्धनता की दर सबसे अधिक है।